# पेराई सत्र के पहले 2 महीनों में चीनी का उत्पादन 54% घटा

[ पीटीआई | नई दिल्ली ]

देश में चीनी का उत्पादन अक्टूबर-नवंबर में 54 पर्सेंट घटकर 18.85 लाख टन रहा। ऐसा महाराष्ट्र में गन्ने की पेराई के देरी से शुरू होने के चलते वहां के उत्पादन में आई तेज गिरावट के चलते हुआ है। शुगर सीजन या मार्केटिंग ईयर 1 अक्टूबर से शुरू होकर 30 सितंबर तक चलता है। इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (ISMA) ने एक बयान में बताया, 'मौजूदा 2019-20 शुगर सीजन में 30 नवंबर 2019 तक चीनी का उत्पादन 18.85 लाख टन रहा। यह पिछले साल 30 नवंबर 2018 को 40.69 लाख टन था।'

एसोसिएशन ने कहा कि इस साल 30 नवंबर तक सिर्फ 279 शुगर मिलों में गन्ने की पेराई का काम चल रहा था, जबकि एक साल पहले 418 फैक्ट्रियों में पेराई हो रही थी। ISMA ने पिछले महीने कहा था कि 2019-20 के मार्केटिंग ईयर में चीनी का उत्पादन 21.5 पर्सेंट घटकर 2.6 करोड़ टन रहने का अनुमान है। एसोसिएशन ने बताया कि 1 अक्टूबर को पिछले साल का 1.45 करोड़ टन का स्टॉक बचा हुआ था।

**महाराष्ट्र में** गन्ने की पेराई देर से शुरू होने के कारण अक्टूबर-नवंबर के दौरान कुल उत्पादन घटकर 18.85 लाख टन रहा

मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक मार्केटिंग ईयर 2019-20 की अक्टूबर-नवंबर अवधि में उत्तर प्रदेश में चीनी का उत्पादन बढ़कर 10.81 लाख टन रहा है, जो एक साल पहले की इसी अवधि में 9.14 लाख टन था। महाराष्ट्र में उत्पादन घटकर 67,000 टन रहा, जो एक साल पहले की इस अवधि में 18.89 लाख टन था। महाराष्ट्र की शुगर मिलों में इस साल काफी देरी से 22 नवंबर, 2019 को पेराई शुरू की थी। कर्नाटक में उत्पादन गिरकर 5.21 लाख टन रहा, जो एक साल पहले की इसी अवधि में 8.40 टन था।

ISMA ने बताया, 'मार्केट सूत्रों के मुताबिक करीब 15 लाख टन शुगर के एक्सपोर्ट के लिए कॉन्ट्रैक्ट साइन हो चुके हैं। इसमें शुगर मिलों की ओर से बंदरगाह आधारित रिफाइनरी से किए कॉन्ट्रैक्ट भी शामिल हैं। सबसे ज्यादा शुगर एक्सपोर्ट ईरान, श्रीलंका, अफगानिस्तान और अफ्रीकी देशों में होता है।' उत्तरी राज्यों में चीनी की एक्स-मिल कीमत पिछले दो महीनों से 3,250-3,300 रुपये प्रति क्विंटल के बीच बनी हुई है। वहीं पश्चिमी और दक्षिणी राज्यों में यह करीब 3,100-3,250 रुपये प्रति क्विंटल बनी हुई है।

Economic Times

4/12/19